मेट्रो-3 को 10 दिन में मिलेगी दूसरी रेक

फरवरी से ट्रायल रन में लाई जाएगी तेजी, अनिवार्य है 10,000 किमी का ट्रायल रन

Pankaj.Pandey@timesgroup.com

मुंबई : मुंबई के जमीन के नीचे चल रहे मेट्रो के ट्रायल रन की रफ्तार फरवरी से बढ़ने वाली है। आम यात्रियों के लिए मेट्रो के द्वार खुलने के लिए 10 हजार किमी तक मेट्रो को दौड़ाया जाता है। फिलहाल, 10 हजार किमी का अनिवार्य ट्रायल रन पूरा करने को मेट्रो की एक रेक लगाई गई है। अनिवार्य ट्रायल रन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के लिए आंध्रप्रदेश के श्रीसिटी से मेट्रो-3 की दूसरी रेक मुंबई की तरफ रवाना हो चुकी है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएसआरसी) के अनुसार, मेट्रो की आठ डिब्बों की रेक सड़क मार्ग के जरिए मुंबई आ रहे हैं। दिसंबर के अंत तक रेक मुंबई पहुंच जाएगी। रेक के यहां आने के बाद सभी कोच के असेंबली का काम 15 से 20 दिन में पूरा कर लिया जाएगा। आवश्यक टेस्ट के बाद नई रेक को भी ट्रायल रन की प्रक्रिया में शामिल कर लिया जाएगा। फरवरी, 2023 से मेट्रो-3 कॉरिडोर पर मेट्रो के दो रेक दौड़ने लगेंगे।

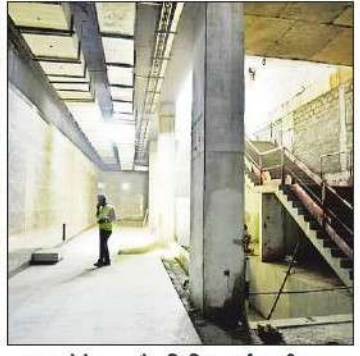

मेट्रो-3 कॉरिडोर का सिद्धिविनायक मेट्रो स्टेशन अब आकर लेने लगा है। सिविल वर्क करीब पूरा होने के बाद अब स्टेशन पर एस्कलेटर समेत अन्य उपकरण लगाने का काम चल रहा है।

सहार रोड तक ट्रायल

मौजूदा समय में मेट्रो का ट्रायल रन सारीपुत नगर (सीप्ज) से मरोल नाका स्टेशन के बीच हो रहा है। नई रेक आने के साथ ही एमएसआरसी ने ट्रायल रन का दायरा बढ़ाने का निर्णय लिया है। फरवरी से 3 किमी के बजाय 5 किमी के रूट पर मेट्रो दौड़ेगी। नए साल से मेट्रो सारीपुत नगर से सहार रोड स्टेशन के बीच मेट्रो दौड़ने लगेगी। कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच 33 किमी लंबा भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर तैयार किया जा रहा है। प्रॉजेक्ट का 76.6 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है।

कारशेड का काम

ढाई साल तक कारशेड का काम ठप रहने के बाद दोबारा काम आरंभ हो चुका है। करीब 35 प्रतिशत तक कारशेड बन कर तैयार हो चुका है। अगले साल तक कारशेड का निर्माण पूरा नहीं हो सकता है। इसीलिए एमएमआरसीएल ने सीप्ज से बीकेसी के बीच 9 रेक के साथ सेवा शुरू करने का निर्माण लिया है। मेट्रो के 9 रेक के रखरखाव और संचालन के लिए कारशेड में स्टेबलिंग लाइन व अन्य व्यवस्था करने का काम अप्रैल, 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

11 महीने का और इंतजार: राज्य की पहली भूमिगत मेट्रो में सफर करने के लिए यात्रियों को 11 महीने और इंतजार करना होगा। कारशेड के पूरी तरह से तैयार नहीं होने की वजह से सरकार ने मेट्रो सेवा दो फेस में शुरू करने का निर्णय लिया है। दिसंबर, 2023 से सीप्ज से बीकेसी और जून, 2024 से पूरे रूट पर सेवा शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।